क्रिस्मस २०२१ के सम्मान में बच्चों के लिए सिद्धयोग सत्संग

सत्संग में भाग लेने हेतु बच्चों के लिए आमन्त्रण

प्यारे बच्चो,

मैं आपको उत्सव मनाना शुरू करने से पहले ही क्रिस्मस के पर्व की बधाइयाँ देना चाहती हूँ और आपको वह बताना चाहती हूँ जो शायद आप जानना चाहें।

क्या मैंने आपमें उत्सुकता जगा दी है?

क्या आप सोच रहे हैं कि ऐसा क्या हो सकता है जिसे आप जानना चाहेंगे?

क्या आप विचार कर रहे हैं कि
वर्ष के इस रोमांचकारी समय में—
पर्व के इस मौसम में
वह क्या है जो मैं आपको बताना चाहती हूँ?

अच्छा, तो मैं आपको बताती हूँ!

आपको एक विशेष आमन्त्रण के बारे में बताते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है—यह ख़ास आपके लिए है—क्रिस्मस की पूर्वसन्ध्या पर सिद्धयोग महोत्सव सत्संग में आने का आमन्त्रण। इस सत्संग का शीर्षक है, "श्रीगुरु की भेंट को पा लो।"

वह कौन-सी भेंट है जिसे आप पाएँगे? हर कोई कुछ न कुछ खोज रहा है। *आप* क्या खोज रहे हैं? शायद आप यह समझना चाहते हैं कि इस संसार में आपका स्थान क्या है। या यह जानना चाहते हैं कि इस संसार में आपको कैसे रहना चाहिए। या फिर आप शायद सुकून, सन्तोष और प्रेम का भाव चाहते हैं।

इस सत्संग में आप बिलकुल वही पा लेंगे जिसे आप ढूँढ़ रहे हैं—और आप सीख जाएँगे कि उसे बार-बार, बार-बार कैसे पाएँ।

अब आप सोच रहे होंगे : *मैं इस सत्संग में भाग कैसे ले सकता हूँ?*

मैं आपको बताती हूँ। यह महोत्सव सत्संग सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर ईस्टर्न स्टैन्डर्ड समयानुसार गुरुवार, २३ दिसम्बर, दोपहर दो बजे से उपलब्ध होगा [जो कि भारत, ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी गोलार्ध में रहने वाले लोगों के लिए क्रिस्मस की पूर्वसन्ध्या होगी]।

आप इस सत्संग में महीने के अन्त तक यानी ३१ दिसम्बर तक भाग ले सकते हैं। आप चाहें तो इसमें बार-बार, *बार-बार* भाग ले सकते हैं। और सत्संग के दौरान किसी भी समय यदि आप अवकाश लेना चाहें तो ले सकते हैं। बस आपके साथ जो भी बड़े-बुजुर्ग भाग ले रहे हों, उन्हें बता दें कि आप रुकना चाहते हैं और फिर जब आप तरोताज़ा हो जाएँ और भाग लेने के लिए तैयार हों तो पुनः सत्संग में लौट आएँ।

मेरे दोनों बच्चों, जीवन और ऋषी को सिद्धयोग सत्संग में भाग लेना हमेशा से ही बहुत अच्छा लगता है। वे अब युवा हैं, परन्तु बचपन में भी ऐसा होता था कि जब उन्हें पता चलता कि सत्संग होने वाला है तो वे उसमें भाग लेने के उत्साह से भर जाते थे। वे अपने आसन, अपनी शॉल और कभी-कभी तो गुरुमाई जी की पूजा करने के लिए अपनी-अपनी आरती की थाली भी तैयार कर लेते थे। और यदि सत्संग विशेष तौर पर बच्चों के लिए हो तो उन्हें विश्वास होता कि उसमें उनके लिए कुछ ख़ास ज़रूर होगा।

इसे याद करते हुए मैं कल्पना कर रही हूँ कि विश्व में सब ओर आप सभी तैयारी कर रहे हैं—और बहुत ही उत्सुक हो रहे हैं—क्रिस्मस के सम्मान में आयोजित इस सिद्धयोग महोत्सव सत्संग में भाग लेने के लिए। बस कुछ दिनों का समय बाकी है, फिर हम सब एक-साथ इस सत्संग में भाग लेंगे जिसका शीर्षक है, "श्रीगुरु की भेंट को पा लो।"

आपसे जल्द मिलूँगी!

प्रेम और आदर सहित,
निशा पञ्चपकेसन

© २०२१ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।